आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 159 | उज्जैन, शुक्रवार 02 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां सक्षम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप जनजातीय भाई-बहनों के समग्र कल्याण के लिए पेसा नियमों को ध्यान में रखते हुए जनजातीय क्षेत्रों के विकास को और अधिक गति दी जा रही है। प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में बसे जनजातीय परिवारों को भी केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं जैसे पक्का मकान, निःशुल्क राशन और आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि हर गरीब और जरूरतमंद के बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार तेंदुपत्ता संग्राहकों को बोनस देकर प्रोत्साहित कर रही है। तेंदूपत्ता के शासकीय मूल्य में 1000 रुपए प्रति मानक बोरा की वृद्धि कर इसे 4000 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अभी 15 हजार वन समितियां हैं। जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां निरापद रूप से सर्वाधिक सक्षम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद में तेंदूपत्ता, वन समितियों और जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हरसूद को नए अस्पताल, स्कूल और सिंचाई परियोजना की सौगात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय बुजुर्गों को टार्च और एफएम जैसी आधुनिक तकनीक से लैस छड़ी (स्टिक) का वितरण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पात्रतानुसार हितलाभ के चेक, ई-रिक्शा प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल, अस्पताल जैसे विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर वर्षा जल की बूंद-बूंद सहेजने के उद्देश्य विषय पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद को विकास कार्यों की सौगात दी, जिनमें 20 करोड़ की लागत की नया अस्पताल, सांदिपनि आदर्श विद्यालय, 45 करोड़ की लागत से नई सिंचाई परियोजना शामिल है।

राजनीतिक हथियार के रूप में न हो इसका इस्तेमाल, जातिगत जनगणना पर आरएसएस का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की बात कही है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक सधा हुआ रुख अपनाते हुए कहा है कि इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, संघ ने केंद्र सरकार के दशकीय जनगणना के साथ जाति-आधारित गणना करने के फैसले पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इस मुद्दे पर अपनी सतर्कता और संवेदनशीलता जाहिर की है। आरएसएस हमेशा से जाति के आधार पर विभाजन और भेदभाव का विरोध करता रहा है। हालांकि, संगठन का मानना है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए कोटा में उप-वर्गीकरण या क्रीमी लेयर जैसी व्यवस्थाओं को लागू करने से पहले सभी हितधारकों के साथ परामर्श और सहमति बनाना जरूरी है।

केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को जातिगत जनगणना का निर्णय लिया है, इससे एक दिन पहले पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात हुई थी, जो इस मुद्दे पर संघ की सहमति की ओर इशारा करता है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच राजनाथ सिंह ने की अमेरिकी रक्षा मंत्री से बात, पहलगाम मुद्दे पर दोनों ने की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत किसी भी वक्त उसपर हमला कर सकता है। वहीं, दूसरी तरफ भारत ने वैश्विक समुदाय को अपनी बात समझाने की पहल भी तेज कर दी है।

इस बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की है। दोनों के बीच पहलगाम मुद्दे पर बात हुई।

राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच हुई बातचीत की जानकारी रक्षा मंत्री का कार्यालय द्वारा दी गई। एक बयान में बताया गया कि अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की दुखद मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है और भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है।

इंच इंच भूमि से आतंकवाद को मिटा देंगे, गृह मंत्री शाह बोले- आतंकियों को चुन-चुन कर मारेंगे

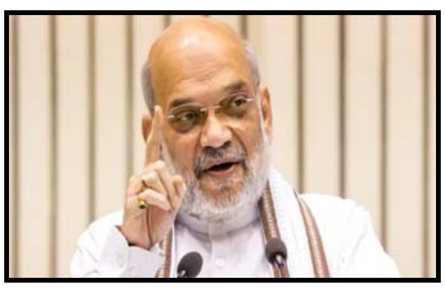

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम में कहा कि आतंकवाद को जड़ समेत उखाड़ फेंकेंगे। आतंकियों को चुन-चुन कर मारेंगे। आतंक पर सरकार की जीरो टॉरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि हमला करने वाले आतंकी नहीं बचेंगे। आतंकवाद के खात्मे तक ये लड़ाई जारी रहेगी। आतंकवाद को जड़ से नाश करेंगे।

दरअसल, दिल्ली में बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की विरासत को सम्मानित करने के लिए सड़क और प्रतिमा के उद्घाटन समारोह केंद्रीय गृहमंत्री ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एक सभा को संबोधित किया।

इस दौरान शाह ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे कैलाश कॉलोनी में बोडोफा के सम्मान में प्रतिमा का अनावरण और सड़क का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। यह प्रतिमा न केवल बोडो समुदाय के लिए बल्कि उन सभी छोटी जनजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और विकास के लिए संघर्ष किया। बोडोफा की मूर्ति न केवल बोडो समुदाय बल्कि ऐसी सभी छोटी जनजातियों का सम्मान बढ़ाती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं जनता से कहना चाहता हूं कि हम 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से लड़ रहे हैं। आज वो (आतंकवादी) ये न सोचें कि उन्होंने हमारे नागरिकों की जान लेकर लड़ाई जीत ली है। मैं आतंक फैलाने वालों से कहना चाहता हूं कि ये लड़ाई खत्म नहीं हुई है, हर शख्स को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

शॉर्ट्स पहनकर पासपोर्ट ऑफिस पहुंचा लड़का, गार्ड ने अंदर जाने से रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पासपोर्ट से संबंधित आपने कई खबरे सुनी होगी, लेकिन क्या आपने कभी सुना है आपको पासपोर्ट ऑफिस के बाहर से कपड़ों की वजह से लौटा दिया जाए। ये सुनकर हैरान हो गए न। दरअसल एक स्टार्टअप संस्थापक ने सोशल मीडिया पर एक सनसनीखेज दावा किया, जो इस समय इंटरनेट पर बहस का एक मुद्दा बन चुका है।

एक्स पर डील्स धमाका के संस्थापक विनीत नाम के एक यूजर ने बताया, मैं पासपोर्ट ऑफिस के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहा था, तभी एक युवक का नंबर आया और उसे सिक्योरिटी गार्ड ने अंदर नहीं घुसने दिया। उसे ये कहकर लौटा दिया गया कि उसने ढंग के कपड़े नहीं पहने हैं।

युवक को चप्पल पहनना पड़ा भारी- युवक ने शॉर्ट्स और चप्पल पहन रखी थी। जब गार्ड ने उस व्यक्ति से कहा कि शॉर्ट्स पहनकर अंदर जाने की अनुमति नहीं है, तो युवक ने गार्ड को जवाब देते हुए कहा, हम अपने कॉर्पोरेट कार्यालयों में इसी तरह जाते हैं।

आप सरकारी दफ्तरों में क्यों नहीं जाने देते- 2 मिनट की बातचीत के बाद, युवक के पिता अंदर गए और पासपोर्ट अधिकारी से एक बार की छूट के लिए अनुरोध किया, उन्होंने दावा किया कि वे पासपोर्ट कार्यालय तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करके आए हैं। युवक को कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। दूसरी ओर, फिर सुरक्षा गार्ड ने स्टार्टअप संस्थापक के साथ इस बात की चर्चा की।

इस बार घर में घुसकर मारना नहीं, घर में बैठ जाना; ओवैसी ने की पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश में एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को खुली छूट दे दी है और उन्हें अपने हिसाब से टारगेट सेट करने की छूट है। वहीं मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर की कई चौकियां खाली कर दी है और अपने झंडे से पोस्ट से उतार लिए हैं। इस बीच हैदराबाद से सांसद और AIMIM के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई हो रही है।

पीएम मोदी एक फाइटर, चुनौतियों से डरते नहीं, Waves समिट में रजनीकांत ने पाकिस्तान के साथ तनाव को लेकर और क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड आडियो विजुवल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्ज) में भाग लेने आए लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मंच का इस्तेमाल भी पाकिस्तान को कोई कड़ा संदेश देने के लिए करेंगे। लेकिन उन्होंने अपनी बात को इंटरनेट मीडिया से युवा पीढ़ी के भटकाव को रोकने तक ही सीमित रखा।

लेकिन उनसे पहले उसी मंच से बोलकर गए दक्षिण भारत के शीर्ष अभिनेता रजनीकांत एवं देश के शीर्ष उद्योगपति मुकेश अंबानी खुद को पहलगाम मुद्दे पर बोलने से नहीं रोक सके। अपने-अपने क्षेत्र के दोनों शीर्ष व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री को अहसास दिलाया कि उनके किसी भी कदम पर पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

पीएम मोदी हैं एक फाइटर- दक्षिण भारतीय दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने वेव्ज को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फाइटर हैं। वह किसी भी चुनौती से नहीं डरते हैं। उन्होंने यह बात बीते एक दशक में बार-बार साबित की है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि वह कश्मीर मुद्दे को साहस और गरिमा से संभालेंगे और वहां शांति बहाल करेंगे।

वहीं रिलायंस उद्योग समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आज आपकी उपस्थिति से हम वास्तव में धन्य और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम आपकी असाधारण जिम्मेदारियों को जानते हैं। खासकर पहलगाम में हाल ही में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद। इसलिए आपका यहां आना एक मजबूत संदेश देता है।

मुकेश अंबानी ने आगे कहा कि मोदी जी, शांति, न्याय और मानवता के दुश्मनों के खिलाफ इस लड़ाई में आपको 145 करोड़ भारतीयों का पूरा समर्थन है। उनकी (पाकिस्तान की) हार निश्चित है, और भारत की जीत भी निश्चित है।

कई हस्तियों का लगा था ताता - बता दें कि वेव्ज सम्मेलन में दृश्य-श्रव्य मीडिया एवं मनोरंजन जगत से जुड़े दुनिया के कई शीर्ष लोग शामिल हो रहे हैं। भारत के हिंदी फिल्म जगत से जहां शाहरुख खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, करण जौहर, हेमामालिनी, अनुपम खेर जैसे लोग सम्मेलन में मौजूद थे, वहीं दक्षिण भारत के सिने जगत से रजनीकांत के अलावा फिल्म बाहुबली के निर्देशक एस.एस. राजामौली, मोहनलाल और नागार्जुन भी उपस्थित थे। सम्मेलन में देश की विभिन्न भाषाओं से जुड़ी पांच फिल्मी हस्तियों पर प्रधानमंत्री के हाथों डाक टिकट भी जारी किए गए। ये हस्तियां थीं गुरुदत्त, राज खोसला, सलिल चौधरी, पी.भानुमती एवं ऋत्विक घटक।

खौफ के साए में पाकिस्तान, ISI चीफ असीम मलिक को सौंपी NSA की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगातार कोई न कोई कदम उठा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में नए सदस्यों को जोड़ा है और आलोक जोशी को अध्यक्ष बनाया है। इस बीच पाकिस्तान ने भी अपने नए एनएसए की नियुक्ति की है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को देश का नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। मलिक को सितंबर 2024 में आईएसआई का प्रमुख बनाया गया था और अब उन्हें एनएसए का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

मलिक ने एडजुटेंट जनरल के रूप में भी किया है कार्य- आईएसआई का प्रमुख बनने से पहले असीम मलिक ने पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय में एडजुटेंट जनरल के रूप में भी कार्य किया है, जहां उन्होंने कानूनी और अनुशासनात्मक मामलों सहित सैन्य प्रशासनिक मामलों की देखरेख की थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, एडजुटेंट जनरल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कुछ प्रमुख घटनाएं भी पाकिस्तान में घटी थीं, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी और फिर उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन करना शामिल है।

बलूचिस्तान में संभाली थी डिवीजन की कमाल- असीम मलिक ने अपने करियर के दौरान बलूचिस्तान और दक्षिण वजीरिस्तान में भी डिवीजनों की कमान संभाली है। यह दोनों ही क्षेत्र पाकिस्तान को भारी सुरक्षा चुनौतियां पेश करते रहे हैं।

पाकिस्तान सरकार ने मलिक की नियुक्ति ऐसे समय में की है जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ा हुआ है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ने फिर लिया पाक पर एक्शन

इस घटना के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त एक्शन लिए हैं। हालिया कठोर कदमों की बात करें तो भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही पाकिस्तान के कई जाने-माने कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट और चैनलों को निलंबित कर दिया है।

पाकिस्तान के कलाकार हानिया आमिर, माहिरा खान और अली जफर भारत में भी काफी ज्यादा लोकप्रिय हैं। अब सरकार ने इनके सोशल मीडिया अकाउंट और चैनलों को भारत में निलंबित कर दिया है।

इसके साथ ही, पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है और शुक्रवार को सातवें दिन भी संघर्ष विराम का उल्लंघन जारी रहा। गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई थी।

अयोध्या में बाबरी मस्जिद की पहली ईंट पाक सेना रखेगी, कौन है पलवाशा खान जिसने भारत के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा लिए गए एक्शन से पाकिस्तान काफी ज्यादा बौखला गया है और आए दिन पाकिस्तानी नेताओं की ओर से बेवजह की बयानबाजी और भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की एक महिला सांसद ने पाक संसद में बाबरी मस्जिद का जिक्र किया है।

पलवाशा खान का भड़काऊ बयान- महिला सांसद पलवाशा जई खान ने भड़काऊ बयान देकर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। उनका कहना है कि अयोध्या में बनने वाली नई बाबरी मस्जिद की पहली ईंट पाक आर्मी रखेगी।

बिलावल भुट्टो ने हाल ही में सिंधु नदी के पानी को लेकर एक भड़काऊ बयान दिया था। अब उनके बाद उनकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की महिला सांसद पलवाशा मोहम्मद जई खान ने भड़काऊ बयान दिया है।

हमने चूड़ियां नहीं पहन रखी है- उन्होंने कहा, अयोध्या में बनने वाली नई बाबरी मस्जिद की पहली ईंट पाकिस्तानी सेना रखेगी और पहली अजान आर्मी चीफ असीम मुनीर देंगे। हमने चूड़ियां नहीं पहन रखी है।

पलवाशा खान ने इसके साथ ही ये भी दावा किया कि सिख सैनिक पाकिस्तान पर हमला नहीं करेंगे क्योंकि ये गुरुनानक देव की धरती है।

कौन हैं पलवाशा खान- पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की डिप्टी इनफॉर्मेशन सेक्रेटरी और 2021 से सीनेट की सदस्य पलवाशा मोहम्मद जई खान 2008 से लेकर 2013 तक नेशनल असेंबली की सदस्य भी रह चुकी हैं। वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत से महिला आरक्षित सीट से चुनी गई हैं।

भारत की आक्रामक चाल से टेंशन में आया पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए है। इसके बाद पाकिस्तान की हेकड़ी निकलती हुई नजर आ रही है।

भारतीय हमले की आशंका से पाकिस्तान इस कदर घबराया हुआ है कि इसने बुधवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बुधवार को गिलगित, स्कार्दू और गुलाम जम्मू-कश्मीर के अन्य क्षेत्रों के लिए सभी उड़ानें रद कर दीं।

भारत आने वाले विमानों पर पाकिस्तान रख रहा नजर

एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा के बाद उत्तरी क्षेत्रों के लिए उड़ानें निलंबित करने का निर्णय लिया गया। विदेशी उड़ानों की भी कड़ी निगरानी शुरू की गई है, जिसमें भारत से आने वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने रात दो बजे बुला ली प्रेस कॉन्फ्रेंस - पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय हमले के डर से पाकिस्तान की हेकड़ी निकल चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी की मंगलवार को रक्षा मंत्री, एनएसए और देश के सैन्य प्रमुखों के साथ हुई बैठक से पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है।

धैर्य बनाए रखें, हमें ही फायदा होगा, Tariff War के बीच अमेरिकी GDP में आई गिरावट; फिर भी ट्रंप को टेंशन नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन सहित दुनिया के देशों पर टैरिफ लगाया है। हालांकि, टैरिफ को लेकर ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिकी बाजार अस्थिरता दिख रही है। पहली तिमाही के दौरान अमेरिका की इकोनॉमी में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

वॉल स्ट्रीट पर स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स यानी डाउ जॉन्स और S&P में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि. ट्रंप का कहना है कि लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ से अंतत अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा।

अर्थशास्त्रियों ने क्या कहा- भले ही ट्रंप अमेरिका की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं लेकिन, न्यूयॉर्क स्थित स्पार्टन कैपिटल सिक्योरिटीज के मुख्य बाजार अर्थशास्त्री पीटर कार्डिलो ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में आई गिरावट के लिए ट्रंप के फैसलों को दोषी ठहराया है।

ट्रंप ने मिशिगन में कहा- अमेरिका को फिर महान बनाएंगे - बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर मिशिगन में एक रैली को संबोधित किया।

रूस के लिए बुरी खबर, ऐतिहासिक खनिज संसाधन समझौता के लिए यूक्रेन और अमेरिका तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने बुधवार को कहा कि अंतिम विवरण तैयार होने के बाद यूक्रेन और अमेरिका अगले 24 घंटों के भीतर रेयर मिनरल डील पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इससे रूस के साथ युद्ध में कीव के लिए निरंतर अमेरिकी समर्थन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

यूक्रेनी प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल ने कहा कि वास्तव में, यह एक निवेश भागीदार निधि के निर्माण के लिए एक रणनीतिक सौदा है। आर्थिक विकास मंत्री यूलिया स्विरीडेंको समझौते के तकनीकी विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन में हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप प्रशासन भी समझौते पर हस्ताक्षर के लिए तैयार है या नहीं।

जानिए क्या बोले डोनाल्ड ट्रंप- ट्रंप ने कहा है कि वह रूस के साथ अपने तीन साल से अधिक के युद्ध में आगे के समर्थन की शर्त के रूप में यूक्रेन के रेयर अर्थ एलिमेंट चाहते हैं। बैठक से पहले यूक्रेनी कैबिनेट से समझौते के पाठ को मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद इस पर अधिकृत सरकारी प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। समझौते को प्रभावी होने से पहले यूक्रेनी संसद में अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी।

युद्ध खत्म करने के ठोस कदम नहीं उठाया तो अमेरिका पीछे हटेगा- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए मॉस्को और कीव की ओर से ठोस प्रस्ताव लाने का समय आ गया है। अगर कोई प्रगति नहीं हुई तो अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका से पीछे हट जाएगा।

भारत-पाक में तनाव के बीच US विदेश मंत्री ने जयशंकर और शहबाज शरीफ को किया फोन, क्या हुई बातचीत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों में जुट गया है। इसके मद्देनजर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर से फोन पर बात की।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया है। शहबाज और जयशंकर से अलग-अलग बातचीत के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया है।

क्या है अमेरिका का रुख- इसमें कहा गया है कि अमेरिका आतंकवाद से लड़ाई में भारत का समर्थन करता है और पाकिस्तान से पहलगाम हमले की जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है। उधर, इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी विदेश मंत्री को दक्षिण एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर पाकिस्तानी दृष्टिकोण से अवगत कराया।

पाकिस्तान ने भारत की ओर से सिंधु जल समझौता रद करने का मुद्दा उठाया और कहा कि यह 24 करोड़ लोगों की जीवनरेखा है और इसमें एकतरफा रूप से पीछे हटने का कोई प्रावधान नहीं है।

अमेरिका ने की जांच की मांग

वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री ने बातचीत के दौरान उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में पाकिस्तान के उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित किया। रुबियो ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से कहा कि वे तनाव कम करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करें।

पहलगाम हमले के बीच हार्वर्ड में पाकिस्तान कॉन्फ्रेंस, छात्रों में भारी नाराजगी; वीजा रद करने की उठी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हाल ही में आयोजित पाकिस्तान कान्फ्रेंस को लेकर छात्रों की गहरी नाराजगी सामने आई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद हार्वर्ड के साउथ एशिया इंस्टीट्यूट में रविवार को यह विवादित कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसकी तीखी आलोचना करते हुए छात्रों ने कहा कि परिसर में सरकार समर्थित टेरर नैरेटिव को वैधता मिल रही है।

छात्रा ने जताई नाराजगी, वीजा रद करने की मांग

हार्वर्ड की छात्रा सुरभि तोमर ने कहा, पहलगाम हमला एक लक्षित धर्म आधारित नरसंहार था। ऐसे में हार्वर्ड उन अधिकारियों को आमंत्रित करता है, जो वैचारिक रूप से इस तरह के कृत्य को उचित ठहराते हैं। इससे हमारे परिसर में सरकार समर्थित टेरर नैरेटिव को वैधता मिलने का खतरा पैदा होता है।

उन्होंने बताया कि छात्रों ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से उन अधिकारियों का वीजा रद करने की मांग की है, जो आतंकवाद संबंधित विचारधारा का समर्थन करते हैं।

हमले की निंदा नहीं, अतिथियों की संवेदनहीनता से छात्र निराश- जबकि एक अन्य छात्रा रश्मिनी कोपरकर ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने पहलगाम हमले की न तो निंदा की और न ही कोई संवेदनशीलता दिखाई। इधर, पाकिस्तान कान्फ्रेंस पर विवाद बढ़ने पर हार्वर्ड के साउथ एशिया इंस्टीट्यूट ने मंगलवार को एक बयान जारी किया और पहलगाम हमले को लेकर दुख व्यक्त किया।

जल, थल और वायु... अगर जंग हुई तो भारत के सामने कितनी देर टिकेगा पाकिस्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। आतंकियों ने कश्मीर के पाकिस्तान में पर्यटकों को निशाना बनाया था। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान गई थी। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए।

भारत के एक्शन के बाद पाकिस्तान में हाहाकार मच गया है। पाकिस्तान की ओर से भारत को गीदड़भभकी दी जा रही है। हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि सैन्य मामले में पाकिस्तान भारत के आगे कहीं नहीं टिकता है। इस बात का अंदाजा केवल ऐसे ही लग सकता कि भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान के मुकाबले 9 गुना ज्यादा है।

भारत के सामने कितनी देर टिकेगा पाकिस्तान- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने गत सोमवार को एक आंकड़ा पेश किया है। इससे पता लगता है कि सैन्य ताकत में पाकिस्तान भारत से कोसों दूर है। भारत का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को अभी अपने ऊपर काफी ध्यान देना होगा।

SIPRI के आंकड़े बताते हैं कि भारत में 14.75 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी और 16.16 लाख अर्धसैनिक पुलिस कर्मी हैं। ये आंकड़े ऐसे समय पर सामने आए हैं, जब भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इसके अलावा भारत के पास 1,437 फिक्स्ड-विंग विमान, 995 हेलीकॉप्टर, 7,074 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन और 11,225 तोपें हैं। 2025 के लिए रक्षा बजट 81 बिलियन डॉलर है।

झुकती है दुनिया..., जाति जनगणना पर क्रेडिट लेने की होड़; दिल्ली से लेकर बिहार तक लगे पोस्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट बैठक में कल जाति जनगणना कराने का फैसला लिया गया। वहीं इस फैसले के बाद से विपक्ष के बीच क्रेडिट वॉर शुरू हो गई है। अब राजनीतिक पार्टियों में श्रेय लेने की होड़ मची हुई है।

जातिगत जनगणना के फैसले के बाद कांग्रेस कार्यालय के बाहर राहुल गांधी के पोस्टर लगाए गए हैं। वहीं, राजद ने पटना में पोस्टर लगाकर ऋष्ठ प्रमुख लालू यादव और पार्टी नेता तेजस्वी यादव को बधाई दी है।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर पोस्टर - कांग्रेस कार्यालय के बाहर राहुल गांधी के बाहर जो पोस्टर लगाए हुए हैं। एएनआई के पोस्ट के मुताबिक, उनपर लिखा है, झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। इतना ही नहीं आगे लिखा गया है, कहा था ना, मोदी जी को जाति जनगणना करवानी ही पड़ेगी, हम करवाकर रहेंगे। कांग्रेस ऑफिस के बाहर इन पोस्टरों को श्रीनिवास बी वी ने लगवाया है।

वहीं पटना के पोस्टर में सबसे ऊपर लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित कई आरजेडी नेताओं की तस्वीर लगाई गई है।

पीएम मोदी ने किया वेव्स अवार्ड का एलान, कहा- भारत के पास कहानियों का खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समित 1 मई से मुंबई में इसकी शुरुआत हो चुकी है। इस समिट में फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े दिग्गजों के शामिल होने की चर्चा है और इस समिट का उद्देश्य मीडिया एंटरटेनमें की क्षमता को बढ़ावा देना है।

पीएम मोदी ने किया उद्घाटन- बॉलीवुड कलाकार शाहरुख खान ने वेव्स समिट 2025 में मौजूद लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हमारे विशिष्ट अतिथियों, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विशेष स्वागत है।

इसके बाद पीएम मोदी ने वेव्स समिट का उद्घाटन किया और भारतीय सिनेमा के योगदान का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि कॉन्टेंट से भारत को आगे ले जाने का प्लान है।

पीएम ने की ए आर रहमान और राजमौली की तारीफ- पीएम मोदी ने राज कपूर के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि जापान में उनकी काफी ज्यादा लोकप्रियता थी। उन्होंने इस दौरान बाहुबली फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजमौली और ए आर रहमान का भी जिक्र किया और उनकी तारीफ की।

भारतीय सिनमे के पांच दिग्गजों का डाक टिकट जारी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा के दिग्गज हस्तियां गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट लॉन्च किए।

Waves Summit में बोले मुकेश अंबानी- अगले दशक में 100 अरब डॉलर का होगा भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी का मानना है कि अगले दशक तक भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग चार गुना की वृद्धि दर्जा कर सकता है। यानी 100 अरब डॉलर से अधिक का आकंड़ा छू सकता है। अभी यह बाजार करीब 28 अरब डॉलर का है। मुकेश अंबानी मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी के दुरदर्शी नेतृत्व में डिजिटल राष्ट्र बना- प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक अग्रणी डिजिटल राष्ट्र बन गया है। कहानी कहने की कला और डिजिटल तकनीकों के मिश्रण ने भारत के मनोरंजन और सांस्कृतिक प्रभाव और पहुँच को बढ़ा दिया है। AI और इमर्सिव तकनीकों के उपकरण हमारी कहानियों को पहले से कहीं अधिक आकर्षक बना सकते हैं - और उन्हें तुरंत विभिन्न भाषाओं, देशों और संस्कृतियों के दर्शकों तक पहुँचा सकते हैं। मुझे विश्वास है कि भारत के सुपर-टैलेंटेड युवा वैश्विक मनोरंजन उद्योग पर राज करेंगे।

पहलगाम में बर्बर आतंकवादी हमले की निंदा- पहलगाम में हाल ही में हुए बर्बर आतंकवादी हमले पर बोलते हुए मुकेश अंबानी ने कहा हम सभी पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री जी का कठिन परिस्थितियों में भी यहां आना एक मजबूत संदेश देता है। मोदी जी, शांति, न्याय और मानवता के दुश्मनों के खिलाफ इस लड़ाई में आपको 145 करोड़ भारतीयों का पूरा समर्थन है। भारत की जीत भी निश्चित है।

हमारे पास कालातीत कहानियों का विशाल खजाना- उन्होंने आगे कहा कि वेव्स इनोवेशन, संस्कृति और सहयोग का ग्लोबल हब बनने को तैयार है। 5,000 से अधिक वर्षों की हमारी सभ्यतागत विरासत में, हमारे पास कालातीत कहानियों का विशाल खजाना मौजूद है - रामायण और महाभारत से लेकर दर्जनों भाषाओं में लोककथाएँ और क्लासिक्स हैं। ये दुनिया भर के लोगों के दिलों को छूती हैं क्योंकि उनमें मानवीय मूल्य हैं, भाईचारा है, करुणा, साहस, प्रेम और सौंदर्य है।

अरब सागर में उतरे नौसेना के जंगी जहाज, गुजरात के समंदर में हुई फायरिंग ड्रिल; हाई अलर्ट पर भारतीय जवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से 30 अप्रैल से 3 मई तक गुजरात तट के पास अरब सागर में नौसेना बड़े पैमाने पर अभ्यास कर रही है। इस दौरान किसी भी असामान्य गतिविधि के प्रति युद्धपोतों को सतर्क रखा गया है।

हाल ही में भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोतों से कई एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग कर सफलतापूर्वक लंबी दूरी के सटीक हमलों की तैयारी को साबित किया था। अब भारतीय नौसेना कई तरह के अभ्यास में जुटी है जिसमें मिसाइल फायरिंग और युद्धाभ्यास शामिल हैं।

आने वाले दिनों में होंगे और अभ्यास- आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में और भी कई प्रदर्शन और अभ्यास की योजना है। भारतीय कोस्ट गार्ड ने भी गुजरात तट से दूर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा के निकट जहाज तैनात किए हैं और निगरानी बढ़ाने के लिए नौसेना के साथ साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि अभ्यास के दौरान की गई फायरिंग लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमलों के लिए प्लेटफॉर्मों, प्रणालियों और चालक दल की तत्परता को प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए की गई थी।

नौसेना ने अरब सागर में तैनात किए युद्धपोत- भारतीय नौसेना ने युद्धपोतों को अरब सागर में तैनात किया है और इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य युद्ध के दौरान नौसेना की तत्परता और भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की उसकी क्षमता का प्रदर्शन करना था।

इससे पहले, भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सूरत ने अरब सागर में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (स्त्र्क्र-स्त्र्) वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया था। यह परीक्षण अरब सागर में पाकिस्तान नौसेना द्वारा निर्धारित सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल परीक्षण से पहले हुआ था।

आप सेना का मनोबल गिराना चाहते हैं? पहलगाम हमले की न्यायिक जांच की मांग वाली याचिका पर SC की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी, जिसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई है।

अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपने मांग की है कि रिटायर्ड जज की अगुवाई में पहलगाम हमले के जांच हो। जज कब से ऐसे मामलों की जांच करने के एक्सपर्ट हो गए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखिए।

सभी को साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना होगा- कोर्ट ने कहा कि यह कठिन समय है और सभी को साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

बता दें, याचिका दाखिल कर ये मांग की गई थी कि पहलगाम हमले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई थी।

SC ने वकीलों की आलोचना की- 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करने वाली याचिका दायर करने वाले वकीलों की सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी आलोचना की है। जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने वकीलों से जिम्मेदार बनने को कहा है।

पीठ ने कहा, जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है, कृपया ऐसा मत करो। कब से एक एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं?

जस्टिस सूर्यकांत ने की ये अपील- जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण समय है और देश के हर एक नागरिक ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। ऐसी कोई प्रर्थना मत करो जिससे किसी व्यक्ति का मनोबल गिरे। मुद्दे की संवेदनशीलता को देखों। हालांकि कुछ देर की बहस के बाद वकीलों ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांग ली।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत   कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

प्राचीन काल से ही मानव ने अपनी मेहनत और बुद्धि के बल पर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित किया

प्राचीन काल से ही मानव ने अपनी मेहनत और बुद्धि के बल पर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित किया। चाहे वह पाषाण युग में औजारों का निर्माण हो, कृषि क्रांति के दौरान खेती की शुरुआत हो, या औद्योगिक क्रांति के समय मशीनों का विकास , श्रम ने हर युग में सभ्यता को नई दिशा दी।

भारतीय संस्कृति में श्रम को उच्च स्थान प्राप्त है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग की महत्ता बताते हैं, जहां कर्म (श्रम) को जीवन का आधार माना गया है। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन÷* का यह संदेश स्पष्ट करता है कि श्रम करना हमारा कर्तव्य है, और इसका महत्व फल की अपेक्षा से कहीं अधिक है। इसी तरह, भारतीय परंपराओं में कारीगरों, शिल्पियों, और मेहनतकश लोगों को हमेशा सम्मान दिया गया है।

श्रम मानव जीवन का आधार है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास और आत्मनिर्भरता का स्रोत है, बल्कि समाज की समग्र प्रगति और समृद्धि का भी मूलमंत्र है। श्रम के बिना न तो सभ्यता का विकास संभव है और न ही मानव समाज की उन्नति। फिर भी, आधुनिक समाज में श्रम के महत्व को पूरी तरह से स्वीकार करने में कमी देखी जाती है। कुछ लोग श्रम को केवल शारीरिक मेहनत तक सीमित मानते हैं, जबकि इसका दायरा इससे कहीं अधिक व्यापक है।

श्रम का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम तक सीमित नहीं है। यह मानसिक, बौद्धिक, रचनात्मक और भावनात्मक प्रयासों को भी समेटता है। एक किसान जो खेतों में दिन-रात मेहनत करता है, एक वैज्ञानिक जो प्रयोगशाला में नए आविष्कारों के लिए कार्यरत है, एक शिक्षक जो विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों के पालन-पोषण में समय और ऊर्जा लगाते हैं,ये सभी श्रम के विभिन्न रूप हैं। प्रत्येक कार्य, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, समाज के लिए मूल्यवान है।

श्रम का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह मानव को आत्मसम्मान और उद्देश्य प्रदान करता है। जब कोई व्यक्ति अपने प्रयासों से कुछ हासिल करता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह समाज में सकारात्मक योगदान दे पाता है। इसके विपरीत, श्रम के प्रति उदासीनता या अवहेलना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर हानिकारक है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी अवनति का कारण बन सकती है।

आधुनिक समाज में तकनीकी प्रगति और स्वचालन ने श्रम के स्वरूप को बदल दिया है। एक ओर जहां मशीनें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव श्रम को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों में यह भ्रांति उत्पन्न हुई है कि श्रम की आवश्यकता कम हो गई है। यह धारणा खतरनाक है, क्योंकि श्रम के बिना कोई भी समाज टिकाऊ ढंग से प्रगति नहीं कर सकता।

साथ ही, आधुनिक समाज में श्रम को सामाजिक स्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कुछ कार्यों को उच्च और कुछ को निम्न माना जाता है। उदाहरण के लिए, एक कॉर्पोरेट कार्यालय में काम करने वाले व्यक्ति को समाज में अधिक सम्मान मिलता है, जबकि एक सफाई कर्मचारी या निर्माण मजदूर के श्रम को कम महत्व दिया जाता है। यह भेदभाव न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ाता है, बल्कि श्रम के प्रति लोगों की मानसिकता को भी प्रभावित करता है।

श्रम को समाज में पूर्ण स्वीकृति मिलना बहुत आवश्यक है। जब समाज सभी प्रकार के श्रम को समान रूप से महत्व देता है, तो सामाजिक भेदभाव कम होता है। प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे में हो, अपने कार्य के लिए सम्मान प्राप्त करता है। यह सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है और समाज में सकारात्मकता का संचार करता है। श्रम ही आर्थिक विकास का आधार है।

आदि शंकराचार्य

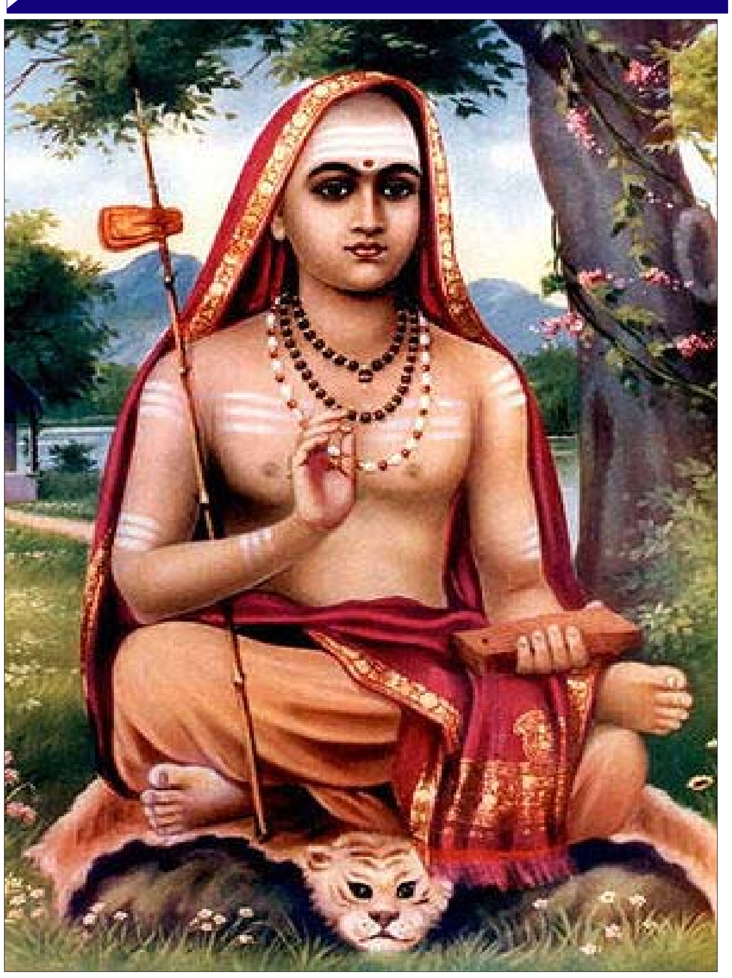

आदि शंकराचार्य अद्वैत वेदान्त के प्रणेता, संस्कृत के विद्वान, उपनिषद व्याख्याता और हिन्दू धर्म प्रचारक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार इनको भगवान शंकर का अवतार माना जाता है। इन्होंने लगभग पूरे भारत की यात्रा की और इनके जीवन का अधिकांश भाग उत्तर भारत में बीता। चार पीठों (मठ) की स्थापना करना इनका मुख्य रूप से उल्लेखनीय कार्य रहा, जो आज भी मौजूद है। शंकराचार्य को भारत के ही नहीं अपितु सारे संसार के उच्चतम दार्शनिकों में महत्व का स्थान प्राप्त है। उन्होंने अनेक ग्रन्थ लिखे हैं, किन्तु उनका दर्शन विशेष रूप से उनके तीन भाष्यों में, जो उपनिषद, ब्रह्मसूत्र और गीता पर हैं, मिलता है। गीता और ब्रह्मसूत्र पर अन्य आचार्यों के भी भाष्य हैं, परन्तु उपनिषदों पर समन्वयात्मक भाष्य जैसा शंकराचार्य का है, वैसा अन्य किसी का नहीं है।

जन्म

शंकराचार्य का जन्म दक्षिण भारत के केरल में अवस्थित निम्बूदरीपाद ब्राह्मणों के कालड़ी ग्राम में 788 ई. में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय उत्तर भारत में व्यतीत किया। उनके द्वारा स्थापित अद्वैत वेदांत सम्प्रदाय 9वीं शताब्दी में काफ़ी लोकप्रिय हुआ।

उन्होंने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धान्तों को पुनर्जीवन प्रदान करने का प्रयत्न किया। उन्होंने ईश्वर को पूर्ण वास्तविकता के रूप में स्वीकार किया और साथ ही इस संसार को भ्रम या माया बताया। उनके अनुसार अज्ञानी लोग ही ईश्वर को वास्तविक न मानकर संसार को वास्तविक मानते हैं। ज्ञानी लोगों का मुख्य उद्देश्य अपने आप को भम्र व माया से मुक्त करना एवं ईश्वर व ब्रह्म से तादाम्य स्थापित करना होना चाहिए। शंकराचार्य ने वर्ण पर आधारित ब्राह्मण प्रधान सामाजिक व्यवस्था का समर्थन किया। शंकराचार्य ने संन्यासी समुदाय में सुधार के लिए उपमहाद्वीप में चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। अवतारवाद के अनुसार, ईश्वर तब अवतार लेता है, जब धर्म की हानि होती है। धर्म और समाज को व्यवस्थित करने के लिए ही आशुतोष शिव का आगमन आदि शकराचार्य के रूप में हुआ।

हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार आदि शंकराचार्य ने अपनी अनन्य निष्ठा के फलस्वरूप अपने सदगुरु से शास्त्रों का ज्ञान ही नहीं प्राप्त किया, बल्कि ब्रह्मत्व का भी अनुभव किया। जीवन के व्यावहारिक और आध्यात्मिक पक्ष की सत्यता को इन्होंने जहाँ काशी में घटी दो विभिन्न घटनाओं के द्वारा जाना, वहीं मंडनमिश्र से हुए शास्त्रार्थ के बाद परकाया प्रवेश द्वारा उस यथार्थ का भी अनुभव किया, जिसे सन्न्यास की मर्यादा में भोगा नहीं जा सकता। यही कारण है कि कुछ बातों के बारे में पूर्वाग्रह दिखाते हुए भी लोक संग्रह के लिए, आचार्य शंकर आध्यात्म की चरम स्थिति में किसी तरह के बंधन को स्वीकार नहीं करते। अपनी माता के जीवन के अंतिम क्षणों में पहुँचकर पुत्र होने के कर्तव्य का पालन करना इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण घटना है।

रचनाएँ व व्यक्तित्व

शंकराचार्य ने उपनिषदों, श्रीमद्भगवद गीता एवं ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखे हैं। उपनिषद, ब्रह्मसूत्र एवं गीता पर लिखे गये शंकराचार्य के भाष्य को प्रस्थानत्रयी के अन्तर्गत रखते हैं। शंकराचार्य ने हिन्दू धर्म के स्थायित्व, प्रचार-प्रसार एवं प्रगति में अपूर्व योगदान दिया। उनके व्यक्तितत्व में गुरु, दार्शनिक, समाज एवं धर्म सुधारक, विभिन्न मतों तथा सम्प्रदायों के समन्वयकर्ता का रूप दिखाई पड़ता है। शंकराचार्य अपने समय के उत्कृष्ट विद्वान् एवं दार्शनिक थे। इतिहास में उनका स्थान इनके अद्वैत सिद्धान्त के कारण अमर है। गौड़पाद के शिष्य गोविन्द योगी को शंकराचार्य ने अपना प्रथम गुरु बनाया। गोविन्द योगी से उन्हें परमहंस की उपाधि प्राप्त हुई। कुछ विद्वान् शंकराचार्य पर बौद्ध शून्यवाद का प्रभाव देखते हैं तथा उन्हें प्रच्छन्न बौद्ध की संज्ञा देते हैं।

हिन्दू धर्म की पुनः स्थापना

आदि शंकराचार्य को हिन्दू धर्म को पुनः स्थापित एवं प्रतिष्ठित करने का श्रेय दिया जाता है। एक तरफ़ उन्होंने अद्वैत चिन्तन को पुनर्जीवित करके सनातन हिन्दू धर्म के दार्शनिक आधार को सुदृढ़ किया, तो दूसरी तरफ़ उन्होंने जनसामान्य में प्रचलित मूर्तिपूजा का औचित्य सिद्ध करने का भी प्रयास किया। सनातन हिन्दू धर्म को दृढ़ आधार प्रदान करने के लिये उन्होंने विरोधी पन्थ के मत को भी आंशिक तौर पर अंगीकार किया। शंकर के मायावाद पर महायान बौद्ध चिन्तन का प्रभाव माना जाता है। इसी आधार पर उन्हें प्रछन्न बुद्ध कहा गया है।

मोक्ष और ज्ञान

आचार्य शंकर जीवन में धर्म, अर्थ और काम को निरर्थक मानते हैं। वे ज्ञान को अद्वैत ज्ञान की परम साधना मानते हैं, क्योंकि ज्ञान समस्त कर्मों को जलाकर भस्म कर देता है। सृष्टि का विवेचन करते समय कि इसकी उत्पत्ति कैसे होती है?, वे इसका मूल कारण ब्रह्म को मानते हैं। वह ब्रह्म अपनी माया शक्ति के सहयोग से इस सृष्टि का निर्माण करता है, ऐसी उनकी धारणा है। लेकिन यहाँ यह नहीं भूलना चाहिए कि शक्ति और शक्तिमान एक ही हैं। दोनों में कोई अंतर नहीं है। इस प्रकार सृष्टि के विवेचन से एक बात और भी स्पष्ट होती है कि परमात्मा को सर्वव्यापक कहना भी भूल है, क्योंकि वह सर्वरूप है। वह अनेकरूप हो गया, यह अनेकता है ही नहीं, मैं एक हूँ बहुत हो जाऊँ अद्धैत मत का यह कथन संकेत करता है कि शैतान या बुरी आत्मा का कोई अस्तित्व नहीं है। ऐसा कहीं दिखाई भी देता है, तो वह वस्तुतः नहीं है भ्रम है बस। जीवों और ब्रह्मैव नापरः- जीव ही ब्रह्म है अन्य नहीं।

निष्काम उपासना

ऐसे में बंधन और मुक्ति जैसे शब्द भी खेलमात्र हैं। विचारों से ही व्यक्ति बंधता है। उसी के द्वारा मुक्त होता है। भवरोग से मुक्त होने का एकमात्र उपाय है विचार। उसी के लिए निष्काम कर्म और निष्काम उपासना को आचार्य शंकर ने साधना बताया। निष्काम होने का अर्थ है संसार की वस्तुओं की कामना न करना, क्योंकि शारीरिक माँग तो प्रारब्धता से पूरी होगी और मनोवैज्ञानिक चाह की कोई सीमा नहीं है। इस सत्य को जानकर अपने कर्तव्यों का पालन करना तथा ईश्वरीय सत्ता के प्रति समर्पण का भाव, आलस्य प्रसाद से उठाकर चित्त को निश्चल बना देगें, जिसमें ज्ञान टिकेगा।

बुद्धि, भाव और कर्म का संतुलन

आचार्य ने बुद्धि, भाव और कर्म इन तीनों के संतुलन पर ज़ोर दिया है। इस तरह वैदान्तिक साधना ही समग्र साधना है। कभी-कभी लगता है कि आचार्य शंकर परम्परावादी हैं। लेकिन वास्तविकता ऐसी नहीं है। उनकी छोटी-छोटी, लेकिन महत्त्वपूर्ण रचनाओं से इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है। परम्परा का निर्वाह करते हुए भी उनका लक्ष्य सत्य प्रतिपादन करना है। प्रश्नोत्तरी में कहे इस श्लोकांश से संकेत मिलता है, पशुओं में भी पशु वह है जो धर्म को जानने के बाद भी उसका आचरण नहीं करता और जिसने शास्त्रों का अध्ययन किया है, फिर भी उसे आत्मबोध नहीं हुआ है। इसी प्रकार भज गोविन्दम में बाहरी रूप-स्वरूप को नकारते हुए वे कहते हैं कि ÷जो संसार को देखते हुए भी नहीं देखता है, उसने अपना पेट भरने के लिए तरह-तरह के वस्त्र धारण किए हुए हैं।

व्यवाहरिक सत्य

जीवन के परम सत्य को व्यावहारिक सत्य के साथ जोड़ने के कारण ही अपरोक्षानुभूति के बाद आचार्य शंकर मौन बैठकर उसका आनन्द नहीं लेते, बल्कि समूचे भारतवर्ष में घूम-घूम कर उसके रूप-स्वरूप को निखारने में तत्पर होते हैं। मानो त्याग-वैराग्य और निवृत्ति के मूर्तरूप हों, लेकिन प्रवृत्ति की पराकाष्ठा है, उनमें श्रीराम, श्री कृष्ण की तरह।

पीएम किसान योजना वाले लाभार्थी की ऐसे बढ़ेगी किस्त, इस योजना का भी मिलता है लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना की शुरुआत किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए की गई थी। हालांकि इसके अलावा भी सरकार द्वारा कई और योजनाएं भी किसानों के हित में संचालित की जाती है। जिसके बारे में कम ही लोगों को पता होता है।

आज हम ऐसी ही एक स्कीम के बारे में बात करने वाले हैं। इस योजना का नाम पीएम किसान मानधन योजना है। इस योजना का लाभ पीएम किसान योजना के लाभार्थी ले सकते हैं। क्योंकि पीएम किसान निधि वाले लाभार्थी खुद ही पीएम मानधन में रजिस्टर हो जाते हैं। इसके लिए आपको अलग से अप्लाई नहीं करना पड़ता।

कैसे बढ़ती है किस्त- जैसा की हमने बताया कि किसान निधि वाले खुद ही पीएम किसान मानधन में रजिस्टर हो जाते हैं। पीएम किसान मानधन के तहत किसानों को हर महीने 3000 रुपये पेंशन दी जाती है। जो हर साल 36 हजार रुपये हो जाती है। ये पेंशन किसानों को पूरी जिंदगी यानी आजीवन मिलती रहती है।

हालांकि इस योजना का लाभ 60 साल के बाद ही मिल पाता है। वहीं अगर आप इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो उन्हें योजना में हर महीने 55 रुपये से लेकर 200 रुपये तक जमा करने होते हैं। यही पैसे किसानों को 60 साल या रिटायर होने के बाद दिए जाते हैं।

कब नहीं मिलेगा पीएम किसान निधि का लाभ- किसानों को इस योजना में जमा होने वाली राशि को खुद से देने की जरूरत नहीं है। क्योंकि ये राशि पीएम किसान निधि योजना के लाभ से ही काटी जाती है। वहीं इसके लिए अलग से रिजर्स्ड भी नहीं करना होगा। क्योंकि पीएम किसान योजना में रजिस्टर होते ही आप मानधन योजना के लिए रिजर्स्ड हो जाते हैं।

अगर आपने अपना आधार नंबर या मोबाइल नंबर योजना से लिंक नहीं किया है, तो योजना से जुड़ी किस्त रुक सकती है। मोबाइल नंबर लिंक करने से आपकी किस्त से जुड़ी डिटेल मैसेज में ही मिल जाते हैं। वहीं केवाईसी के लिए आधार लिंक करना भी काफी जरूरी है।

खर्च बढ़ा तो 78% गिर गया जोमैटो का मुनाफा, सुस्त पड़ा है शेयर, 280 तक जाएगा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटरनल लिमिटेड (जोमैटो का नया नाम) ने जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही के दौरान कंपनी के मुनाफे में साल-दर-साल आधार पर 77 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। तिमाही के दौरान प्रॉफिट पिछले वर्ष की इसी अवधि के 175 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 39 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के प्रॉफिट में गिरावट खर्चों में वृद्धि के कारण आई है। कंपनी को क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए ज्यादा खर्च के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

ऑनलाइन खाद्य और डिलीवरी सेवा प्लेटफॉर्म का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 63.75 प्रतिशत बढ़कर 5,833 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 3,562 करोड़ रुपये था। मार्च 2025 की तिमाही में व्यय 67.88 प्रतिशत बढ़कर 6,104 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में यह 3,636 करोड़ रुपये था।जोमैटो के वेंचर ब्लिंकिट ने मार्च तिमाही के दौरान अपना विस्तार किया है। ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने बताया कि हमने इस तिमाही में 294 नए स्टोर जोड़े, जो किसी एक तिमाही में हमारा अब तक का सबसे बड़ा विस्तार है। अब हमारे पास 1,301 स्टोर का नेटवर्क है। हमने स्टोर विस्तार का समर्थन करने के लिए 1 मिलियन वर्ग फुट का नया वेयरहाउसिंग स्पेस भी जोड़ा।

F&O पर दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने की यह बड़ी मांग, सेबी ने मान ली तो बदल जाएगी ट्रेडिंग की तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बाजार विशेषज्ञ विजय केडिया ने भारतीय शेयर बाजार में बढ़ती F&O (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) ट्रेडिंग को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। साथ ही उन्होंने इसमें बदलाव करने की भी मांग की है। यदि बाजार नियामक सेबी ने उनकी यह मांग स्वीकार कर ली तो ज्यादातर रिटेल निवेशक एफएंडओ में ट्रेडिंग नहीं कर पाएंगे।

केडिया ने ट्वीट कर कहा कि F&O का मकसद हेजिंग (जोखिम प्रबंधन) था, न कि लालच (होपिंग), लेकिन अब रिटेल निवेशक इसे कैसीनो बना रहे हैं। क्या इसे लॉगिन के बजाय लाइसेंस से जोड़ना चाहिए?

केडिया ने साथ ही बाजार नियामक SEBI के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 90% से अधिक रिटेल ट्रेडर्स F&O में पैसा गंवा रहे हैं और यह जोखिम प्रबंधन का जरिया नहीं, बल्कि रिटेल निवेशकों के लिए कसीनो बन चुका है।

क्यों बार-बार उठ रहा एफएंडओ पर सवाल- F&O को मूल रूप से बड़े निवेशकों और संस्थानों के लिए हेजिंग टूल के तौर पर बनाया गया था, लेकिन अब रिटेल ट्रेडर्स इसे शॉर्टकट बनाकर पैसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सोशल मीडिया के भरोसे युवा बिना ज्ञान के हाई-रिस्क ट्रेडिंग में उतर रहे हैं। अज्ञानता और ओवरट्रेडिंग के कारण छोटे निवेशक बर्बाद हो रहे हैं।

SEBI पहले ही F&O ट्रेडिंग में बढ़ते रिटेल निवेशकों के नुकसान को लेकर सतर्क है। एफएंडओ ट्रेडिंग में कमी लाने के लिए बीते दिनों में कई उपाय भी किए गए हैं। इसमें वीकली कांट्रैक्ट को सिर्फ एक सिर्फ एक बेंचमार्क इंडेक्स के लिए सीमित करना, लॉट साइज में इजाफा करना जैसे उपाय शामिल हैं। हालांकि, इन बदलावों के बावजूद रिटेल निवेशक एफएंडओ में लगातार पैसे गंवा रहे रहे हैं। रिटेल निवेशकों के इसी हालत को देखते हुए विजय केडिया यह ट्वीट करने पर

स्कैमर्स हो जाएं सावधान, एनपीसीआई जल्द लाएगा यूपीआई से जुड़ा ये नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनपीसीआई यूपीआई से जुड़ा नया नियम लाने वाला है। ये नियम खासतौर पर स्कैमर्स से बचने के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही इसका उद्देश्य लेन-देन में ट्रांसपेरेंसी को बढ़ाना है।

एनपीसीआई द्वारा एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर के तहत यूपीआई से जुड़ा एक नया नियम आने वाला है। ये नियम 30 जून से लागू होने वाला है। इस नियम के जरिए लोगों को लेन-देन में आसानी होगी। वहीं धोखाधड़ी से बचाव किया जा सकेगा।

क्या है एनपीसीआई का यूपीआई से जुड़ा ये नया नियम- एनपीसीआई के सर्कुलर के अनुसार, अब हर यूपीआई ऐप में यूजर्स का वही नाम दिखना चाहिए, जो बैंक खाते में दर्ज में हो। वहीं लेन-देन या ट्रांसजेक्शन करते वक्त भी यूजर्स का रियल नाम दिखना अनिवार्य है। इससे लेन-देन में ट्रांसपेरेंसी बनी रहेगी।

ये नया नियम पीटूपी और पीटूपीएम दोनों तरीके के लेन-देन में लागू होगा। पीटूपी यानी वे लेन-देन जो दो यूजर्स के बीच हो। वहीं पीटूपीएम ट्रांजेक्शन उसे कहते हैं, जो बिजनेस और किसी व्यक्ति के बीच होती है।

इस नियम को लागू करने के लिए एनपीसीआई ने सभी यूपीआई ऐप को 30 जून तक का समय दिया है।

सरकार का भरा खजाना, 2 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा का हुआ टैक्स कलेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी कलेक्शन से अप्रैल 2025 में सरकार के खजाने में 2 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा जुड़ चुके हैं। अप्रैल 2025 में कुल जीएसटी कलेक्शन 2,36,716 करोड़ रुपए रहा। ये पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 12 फीसदी से भी ज्यादा है। वहीं, रिफंड के बाद नेट जीएसटी कलेक्शन 2,09,376 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 का जीएसटी रिफंड 27,341 करोड़ रुपये रहा है। वहीं पिछले साल अप्रैल में ये रिफंड 18,434 करोड़ रुपये था। इसमें 48.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

टैक्स कलेक्शन में क्या-क्या किया गया है शामिल- सरकार के इस जीएसटी रेवन्यू में CGST, SGST, IGST और CESS शामिल किया जाता है। वहीं कुछ टैक्स सरकार वापस कर देती है। जिसे रिफंड कहा जाता है। इस बार अप्रैल 2025 में कुल रिफंड 27,341 करोड़ रुपये रहा है। वहीं अप्रैल 2024 में ये रिफंड 18,434 करोड़ रुपये था।

अगर रिफंड को वापस कर कुल जीएसटी कलेक्शन देखा जाए, तो ये अप्रैल 2025 में 2,09,376 करोड़ रुपये रहा है। वहीं अप्रैल 2024 में ये 1,91,833 करोड़ रुपये था।

किस राज्य में कितना रहा टैक्स कलेक्शन- हमेशा की तरह सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन महाराष्ट्र से हुआ है। अप्रैल 2025 में महाराष्ट्र से सरकार ने 41,645 करोड़ रुपये टैक्स कलेक्ट किया है। जो पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 11 फीसदी ज्यादा है। अप्रैल 2024 में महाराष्ट्र से सरकार ने 37,671 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जुटाए थे।

अडानी की इस कंपनी को 756% का बंपर प्रॉफिट, तिमाही रिपोर्ट ने चौंकाया, अब फोकस में रहेंगे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह की प्रमुख कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार, 1 मई को मार्च तिमाही के अपने चौंकाने वाले नतीजे जारी कर दिए। अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 756% नेट प्रॉफिट बढ़ गया है और यह 3,845 करोड़ रुपये पर आ गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 451 करोड़ रुपये था। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह अडानी विल्मर की 13.5% हिस्सेदारी बिक्री रही। दरअससल, इससे कंपनी को 3,286 करोड़ रुपये के बंपर लाभ हुआ। कंपनी के शेयर बीते बुधवार को 2,290 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को बाजार में छुट्टी है। ऐसे में कल शुक्रवार को यह शेयर फोकस में रह सकता है।

हालांकि, अडानी एंटरप्राइजेज का ऑपरेशनल रेवेन्यू मार्च 2025 की तिमाही में 7.5% घटकर 26,966 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 29,180 करोड़ रुपये था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

इवनिंग स्टार होटल में चल रहे जुआ फड़ में पुलिस की दबिश आईजी सख्त, कहा-संबंधित थाना प्रभारी होगा जिम्मेदार

सतना। शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र बस स्टैंड के पास स्थित इवनिंग स्टार होटल के रूम नंबर 201 में चल रहे जुआ फड़ में दबिश देते हुए तेरह जुआडियों के साथ पांच लाख सोलह हजार रुपए नगद समेत तीन लाख रुपए की कीमत के चौदह मोबाइल फोन जब्त किए है। हालंकि कोलगवां पुलिस द्वारा पकड़े गए जुआ फड़ के बाद रीवा आईजी विवेक सिंह राजपूत ने सख्त रूख बरतते हुए संभाग के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों समेत थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि दोबारा जुआ खेले जाने जैसे मामले जिस थाना क्षेत्र होगे, उसकी जिम्मेदारी संबंधित थाना प्रभारियों की होगी और उन पर कार्रवाई भी की जा सकती है।

कटनी, पन्ना से लेकर मिर्जापुर तक जुआड़ी शामिल रहे कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि बुधवार की शाम को उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि होटल इवनिंग स्टार में लाखों रुपए का जुआ खेला जा रहा है।

इसमें सतना के अलावा कटनी, पन्ना समेत यूपी के भी लोग शामिल हैं।

कार्रवाई करते हुए सभी तेरह यूपी के मिर्जापुर से मनोज कुमार, प्रवेश कुमार, सोनभद्र से रोशन और चित्रकूट से उदय नारायण शामिल हैं।

मध्य प्रदेश से कटनी के गौरव मेहरा, कमलेश पटेल, पन्ना से लोकेन्द्र जैन, राघव बागरी, बालेन्द्र बागरी, योगेन्द्र अहिरवार, रोहित बागरी, दिप्पू अहिरवार और पराग नंदवानी को गिरफ्तार कर जुआ एक्ट की धारा 13 और बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

होटल संचालक की भूमिका की जांच

बस स्टैंड स्थित इवनिंग स्टार होटल के कमरे में जुआ फड़ संचालन व दबिश के देते हुए पुलिस की कार्रवाई के बाद उसके संचालक की भूमिका पर भी संदिग्ध देखते हुए पुलिस उसकी भी जांच करने में जुटी है।

हालंकि इस संबंध में पुलिस द्वारा कुछ भी नहीं कहा गया। गौरतलब है कि इवनिंग स्टार होटल के संचालक स्थानीय जनप्रतिनिधि के बड़े करीबी भी बताए जाते है।

डिप्टी जेलर ने होटल में नाबालिग लड़की का किया अपहरण, पुलिस ने छुड़ाया

शहडोल। शहर के व्यस्त गांधी चौक स्थित होटल कृष्णा में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कोतवाली पुलिस ने अचानक दबिश दी। बुढ़ार जेल के डिप्टी जेलर विकास सिंह पर एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर होटल में बंधक बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया।

पुलिस ने नाबालिग को मुक्त कराया, लेकिन आरोपी विकास सिंह मौके से फरार हो गया। कोतवाली पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। होटल में सामने आया अपहरण का मामला

गांधी चौक के होटल कृष्णा में देर रात कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की, जहां 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को बंधक बनाए जाने की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक बुढ़ार जेल में पदस्थ डिप्टी जेलर विकास सिंह ने नाबालिग को लिफ्ट देने के बहाने होटल लाया। एक कमरे में बंधक बना लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नाबालिग को विकास सिंह के चंगुल से मुक्त कराया। हालांकि, इस दौरान विकास सिंह फरार होने में कामयाब रहा।

एसपी रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि नाबालिग के बयान और शिकायत के आधार पर विकास सिंह के खिलाफ अपहरण और बंधक बनाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी तेज कर दी है।

पीड़िता को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। इस घटना ने शहर में सनसनी फैला दी है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है, जिससे आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

'देश और धर्म के खिलाफ पोस्ट करना गंभीर अपराध'..

डिंडौरी। देश और हिंदू विरोधी पोस्ट करने वाली मध्य प्रदेश की अतिथि शिक्षक डॉ. नसीम बानो की जिला न्यायालय में लगाई गई जमानत याचिका खारिज हो गई। कोर्ट ने कहा कि देश को झकझोर देने वाली आतंकवादी वारदात के बाद क्रूर आतंकवादियों की तुलना जय श्रीराम के नारे के साथ करना गंभीर अपराध है। ऐसे समय में हिंदू देवी देवताओं का अपमान करने के साथ देश विरोधी पोस्ट करना जघन्य अपराध किया गया है। ऐसे में जमानत नहीं दी जा सकती है।

आरोपी नसीम बानो द्वारा लगाई गई जमानत याचिका का अधिवक्ताओं ने भी लामबंद होकर विरोध किया। तृतीय अपर सत्र न्यायालय से आरोपी की जमानत याचिका जहां खारिज हो गई, वहीं आदर्श कॉलेज से भी उन्हें पद से हटा दिया गया है। वकील बोले- जमानत मिलती, तो गलत संदेश जाता कॉलेज प्राचार्य द्वारा आरोपी अतिथि विद्वान को मामला सामने आने के बाद ही नोटिस जारी किया गया था।

राजस्थान की अंतरराज्यीय कंजर गैंग ने की थीं लाखों की चोरी, तीन गिरफ्तार

रतलाम। जावरा शहर पुलिस ने जावरा नगर की इंदिरा कालोनी में किराना दुकानदार के घर हुई लाखों की चोरी करने के मामले में अंतरराज्यीय कंजर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों ने रतलाम शहर के कस्तूरबा नगर में भी वारदात करना कबूल किया है। उनके कब्जे से किराना दुकानदार के घर से चुराए गए करीब पांच लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर, घड़िया, आधार कार्ड आदि बरामद किए गए हैं।एसपी अमित कुमार ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अप्रैल की शाम दुकानदार अजय कियावत पुत्र जयंतीलाल कियावत निवासी इंदिरा कालोनी जावरा के घर का ताला तोड़कर चोर जेवर, पर्स, आधार कार्ड, 30 हजार रुपये नकद, घड़िया आदि चुराकर ले गए थे।

साथ ही एक अन्य घर में नकूचा तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया था। सूचना पर तत्काल एएसपी राकेश खाखा के मार्गदर्शन में सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो व जावरा शहर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह जादौन को हर पहलू पर जांच कर आरोपितों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे।

थाना प्रभारी जादौन के नेतृत्व में गठित पांच टीमों ने सीसीटीवी फुटेज चेक कर तथा तकनीकी संसाधनो का उपयोग कर साक्ष्य जुटाए तो फुटजों में इंदिरा कालोनी व आसपास तीन संदिग्ध युवक घूमते दिखाई दिए।

उनके बारे में जानकारी निकाली गई तो पता चला कि फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित 20 वर्षीय रामप्रसाद पुत्र धनराज बागरिया कंजर निवासी बलड़ी बिजयनगर थाना भिनाय जिला अजमेर, 19 वर्षीय मुरारी पुत्र गोपाल बागरिया कंजर निवासी ग्राम आमली थाना फुलियाकलाँ जिला भीलवाड़ा व 19 वर्षीय मंगल पुत्र रामचन्द्र बागरिया कंजर निवासी ग्राम बावलाखेड़ा थाना गुलाबपुरा जिला भीलवाडा (राजस्थान) वारदात करने में शामिल हैं।

200 किलोमीटर तक लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए

जावरा व अलग-अलग स्थानों के करीब 200 किलोमीटर तक लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, सायबर सेल व अन्य तकनिकी संसाधनों तथा बस कंडेक्टरो से पूछताछ करने पर तीनों संदिग्धों के चित्तोड़गढ़ (राजस्थान) जाने की जानकारी मिली।

टीमों ने चित्तोड़गढ़ जाकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैड आदि जगह आरोपितों की तलाश की तो तीनों संदिग्ध चित्तोड़गढ़ के बस स्टैंड क्षेत्र में एक जगह दिखाई दिए।

सीसीटीवी फुटेज मे दिख रहे व्यक्तियो से उनके चेहरे एवं कपड़े मैच होने पर तीनों को हिरासत में लेकर जावरा लाया गया। पूछताछ में रामप्रसाद, मुरारी व मंगल ने जावरा में चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद उनके कब्जे से चुराई गई 12 ग्राम वजनी सोने की चार अंगूठी, दो ग्राम वजनी एक पेंडल, 15 ग्राम वजनी चेन, पांच ग्राम वजनी कान के दो जोड़ टाप्स, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चांदी की तीन जोड़ पायजब, दो जोड़ बिछियां, आठ घड़िया, आधार कार्ड, दुकान के विजिटिंग कार्ड, ताला व नकूचा तोड़नेका आजार आदि जब्त किए गए।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी, पति-पत्नी व बेटी की मौत

मंदसौर । गरोठ उज्जेन फोर लेन पर कर चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई। सिविल हॉस्पिटल शामगढ़ में मृतकों का पोस्टमार्टम किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर गुरुवार दोपहर में आगे चल रही बाइक को पीछे से आए कार चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में ग्राम रुपरा के निवासी कमल सिंह, पत्नी लाली व बेटी खुशी की तीनों के शव का पोस्टमॉर्टम शामगढ़ हॉस्पिटल में हो रहा है।

अपना-अपना धर्म निभाने की शर्त पर की थी शादी, भोपाल से दुबई ले गया

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की एक नर्स ने दुबई के कारोबारी से दस साल पहले अपना-अपना धर्म निभाने की शर्त पर शादी की थी। अब आरोपी पति ने इस्लाम धर्म नहीं अपनाने पर गैर मुस्लिम पत्नी को पीटकर घर से निकाल दिया।

पत्नी ने आरोप लगाए कि पति इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाता था। वह रोजाना नमाज पढ़ने, हिजाब पहनने को कहता था और मना करने पर उसके साथ क्रूरता करता था। शादी के 10 साल तक आरोपी ने यह कहते हुए पीड़िता का गर्भ नहीं ठहरने नहीं दिया कि गैर मुस्लिम महिला से पैदा बच्चे इस्लाम में नाजायज माने जाते हैं। इसलिए पहले इस्लाम अपनाओ, फिर संतान पैदा करेंगे। पीड़िता का आरोप- पूजा की तो पति ने मूर्ति खंडित कीपीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

भगवान श्री परशुराम जी का जीवन,व्यक्तित्व और सिद्धांत आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा स्रोत होकर आज भी है प्रासंगिक- मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री परशुराम जी का जीवन, व्यक्तित्व और सिद्धांत आधुनिक भारत के लिए प्रेरणास्रोत होकर आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि ÷भगवान श्री परशुराम हम सबके आराध्य हैं। वे शस्त्र एवं शास्त्र दोनों के ज्ञाता थे। परशुराम जी का जीवन समर्पण,निडरता और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि हमें उनके बताए मार्ग और सिद्धांतों पर चलकर देश को और अधिक शक्तिशाली बनाये। डॉ.यादव ने समाज में एकजुटता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हम सबको मिलकर ऐसे तत्वों को करारा जवाब देना चाहिए जो देश की शांति भंग करने का प्रयास करते हैं।

परशुराम जयंती के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज इंदौर जिले में स्थित भगवान श्री परशुराम जी की जन्मस्थली जानापाव पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां भगवान परशुरामजी के मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद सुश्री कविता पाटीदार, विधायक सुश्री उषा ठाकुर तथा श्री गोलु शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत,सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन अर्चन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा भगवान परशुराम केवल एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि वे ज्ञान, शक्ति और धर्म की त्रयी के प्रतीक हैं। उनके आदर्श आज भी सामाजिक समरसता, न्याय और मर्यादा की स्थापना के लिए प्रेरणा देते हैं। उनके जीवन से हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलने और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि जानापाव क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर प्रमुखता के साथ स्थापित किया जाएगा। आस्था और श्रद्धा के इस पावन क्षेत्र को विकसित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जायेगी। राज्य सरकार जानापाव क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। यहां तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। जिसमें भगवान परशुराम के साथ ही कृष्ण भगवान के जीवन, सिद्धांतों और संदेशों को जनसामान्य तक पहुँचाने हेतु प्रयास किये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि जानापाव तीर्थ क्षेत्र में दर्शनार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाएं, जैसे पार्किंग, विश्राम गृह, पेयजल और शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। क्षेत्र की सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी श्रद्धालुओं को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइए, हम सब भगवान परशुराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और एक न्यायपूर्ण, समरस समाज के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री सलूजा के निधन पर शोक व्यक्त किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रखर वक्ता और सक्रिय प्रवक्ता श्री नरेंद्र सलूजा के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा नेता श्री सलूजा के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद और स्तब्धकारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. सलूजा का मृदुभाषी और सरल, सहज स्वभाव के धनी थे। संगठन के प्रति उनका समर्पण सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सलूजा परिवार के प्रति संवेदनाएँ व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजन को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने निभाया है पिता का फर्ज - निकिता

इंदौर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह आयोजन में पधारकर हम बेटियों को सुखद जीवन का आशीर्वाद देते हुए एक पिता का फर्ज निभाया है। जिससे वे बहुत खुश है। बेटियों को सबसे ज्यादा लाड़ प्यार तो पिता ही करते है और मुख्यमंत्री जी ने बेटियों को 49 हजार रुपए को सहायता राशि देकर बेटियों को नवजीवन का शुभाशीष दियाहै। धार जिले के राजगढ़ निवासी निकिता राठौड़ उक्त बाते कहते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दे रही है। निकिता बताती है कि उनके पिता पेशे से ड्राइवर है। परिवार में माता, 3 भाई एवं 1 बहन है।

बेटियों के विवाह के आर्थिक बोझ को कम किया है मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने

इंदौर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब एवं मजदूर वर्ग के माता -पिता के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना ने माता -पिता को बेटियों के विवाह के आर्थिक बोझ को कम कर दिया है। अब माता - पिता को विवाह के लिए कर्ज नहीं लेना पड़ेगा। यह कहना है धार जिले के ग्रामों की बेटियां शीला भावेल, सीमा भाबर एवं पार्वती डावर का।

बेटियां कहती है कि उनके पिता मजदूरी करते है। मजदूरी से परिवार का पालन पोषण तो हो जाता है परंतु विवाह का खर्च मजदूर माता - पिता कैसे वहन करते। ऐसे में हर समय माता -पिता को अपने बेटियों के विवाह की चिंता ही रहती थी।

परंतु मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के आयोजन में आज उनका निःशुल्क विवाह संपन्न हुआ है। साथ ही उन्हें 49 हजार रुपए की राशि भी मिली है। जिससे वे अपनी गृहस्थी अपने हिसाब से बसाकर नव जीवन की शुरुआत करेगी।

बेटियों के विवाह की चिंता को दूर करने एवं माता - पिता के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने किया इंदौर जिला न्यायालय भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

इंदौर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बुधवार को इंदौर के पिपल्यान्हा क्षेत्र में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन का भौतिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह परियोजना शासन की प्राथमिकताओं में है तथा इसे तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाना आवश्यक है। इस मौके पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट भी उपस्थित थे।

मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन में हो रही देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है, अतः सभी डिजाइन एवं ड्राइंग 7 मई तक आर्किटेक्ट से प्राप्त की जाएं, अन्यथा अनुबंध समाप्ति की कार्यवाई की जाए। उन्होंने निर्माण सामग्री के अनुमोदन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि अप्रूवल में विलंब के कारण निर्माण कार्य में रुकावट आती है, तो संबंधित अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने पुनरीक्षित एस्टीमेट के अनुमोदन की प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा ठेकेदार के रनिंग बिलों के शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए, जिससे निर्माण कार्य की गति बनी रहे। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इंदौर के मुख्य अभियंता (भवन) निर्माण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा स्वयं करें और प्रमुख अभियंता के माध्यम से प्रत्येक सोमवार को निर्माण की प्रगति रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की जाए।

धार जिले के उमरबन विकासखंड में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समारोह

इंदौर। राज्य सरकार गरीब कल्याण,युवा शक्ति, किसान कल्याण एवं नारी सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है। इन योजनाओं को तभी सफल कहा जा सकता है जब इन योजनाओं के परिणाम जमीनी स्तर पर स्पष्ट परिलक्षित हो और योजना के क्रियान्वयन के कारण लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव आए।

शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना उन गरीब परिवारों के लिए वरदान बनी है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों का धूमधाम से विवाह करने में असमर्थ है। ऐसे परिवार बेटियों की शादी को बोझ नहीं वरदान समझे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उक्त बातें अक्षय तृतीया के अवसर पर धार जिले के विकासखंड उमरबन में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सहभागिता कर कहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने योजना से लाभान्वित 2123 नवदंपतियों को बधाई एवं सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत हुआ विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन

इंदौर। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्राम झलारिया (जनपद पंचायत इंदौर) में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें 112 जोड़े वैदिक विधि-विधान से परिणय सूत्र में बंधे। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में यह आयोजन झलारिया स्थित श्रीराम मंदिर के पास, बड़े तालाब के सामने समतल की गई भूमि पर आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भी वर्चुअली वर- वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

मंत्री श्री सिलावट कहा कि नव दंपति आज से अपने नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। यह सुखद संयोग है कि उनका विवाह अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत हुआ है। उन्होंने वर-वधुओं को आशीर्वाद भी प्रदान किया और उज्जवल और भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने वर-वधुओं को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री सिसोदिया ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की मंशानुसार आयोजन की भव्य तैयारी की गई थी। विवाह स्थल पर एक विशाल डोम में 112 मंडप बनाए गए, जहाँ प्रातः 8 बजे से विवाह की विधियां प्रारंभ हुईं। सभी जोड़ों को वैदिक मंत्रों के साथ सात फेरे दिलाए गए। शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को 49 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत इंदौर श्रीमती प्रियंका टेगौर, जनपद सदस्यगण, श्री विपिन जागीरदार, श्री रामेश्वर चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में जनपद पंचायत इंदौर की पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा।

संपूर्ण सृष्टि एक ही शक्ति की अभिव्यक्ति है - प्रतिकुलपति स्वामी आत्मप्रियानंद

तीसरे दिन अद्वैत वेदांत और आधुनिक विज्ञान के सन्दर्भ में संवाद, देशभर के विद्वान हुए सम्मिलित

इंदौर। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा आयोजित एकात्म पर्व के तीसरे दिवस पर चैतन्य- अद्वैत वेदांत एवं आधुनिक विज्ञान विषयक सत्र ने श्रोताओं को वैचारिक गहराई में पहुंचा दिया। यह संवाद सत्र विज्ञान, वेदांत और अध्यात्म के सम्मिलन की दिशा में एक अभिनव प्रयास था।

इस सत्र में रामकृष्ण मिशन के स्वामी आत्मप्रियानंद सरस्वती, आर्ष विद्या गुरुकुलम के संस्थापक स्वामी परमात्मानंद सरस्वती, लेखक-चिंतक नीलेश नीलकंठ ओक, प्रसिद्ध वैज्ञानिक पंकज जोशी, जेएनयू के प्रोफेसर रामनाथ झा, स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी, लेखक मृत्युंजय गुहा मजूमदार, स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी, स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती और अन्य संत-चिंतक उपस्थित रहे।

स्वामी परमात्मानंद सरस्वती ने कहा कि वेदांत किसी मत का विषय नहीं, बल्कि मानव चेतना की खोज है। यह मनुष्य को उसकी वास्तविक स्वरूप से जोड़ने का विज्ञान है। जब हम बाह्य जगत को ही सत्य मान लेते हैं, तब अज्ञान के बल पर पूरी दृष्टि खड़ी हो जाती है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वेदांत का संदेश केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना के उत्थान का आधार बन सकता है।

मृत्युंजय गुहा मजूमदार ने कहा कि 19वीं सदी तक विज्ञान न्यूटनियन भौतिकी पर आधारित था, परंतु 20वीं सदी की शुरुआत में हाइज़नबर्ग और श्रोडिंगर ने क्वांटम सिद्धांत प्रस्तुत किया, जहाँ चेतना को यथार्थ की निर्धारण शक्ति माना गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा अद्भुत फ्लैगशिप कार्यक्रम की श्रृंखला 'विक्रमादित्य वाणी' के अंतर्गत सम्पन्न हुआ आयोजन

उज्जैन । विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के विद्यार्थियों और शिक्षकों के अलावा श्रोताओं को उद्बोधित करते हुए मेडिकल रिसर्च में लगातार कार्य कर रहे ख्यात चिकित्सक डॉ मोहनदास हेगड़े ने कहा कि वर्तमान तनावपूर्ण समय में हृदय और मन का संतुलन बनाए रखना पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गया है। जीवन में सरलता, सकारात्मकता और आत्मिक संतुलन लाने के लिए हार्टफुलनेस एक प्रभावी पथ है। यह न केवल व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है, बल्कि संपूर्ण जीवन शैली को भी एक नई दिशा देता है।

'जीवन शैली सुधार में हार्टफुलनेस की भूमिका' विषय पर चर्चा करते हुए, हार्टफुलनेस रिसर्च सेंटर, मैसूर के निदेशक डॉ. मोहन दास हेगड़े ने अपने यह विचार प्रस्तुत किए। यह कार्यक्रम विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा अद्भुत फ्लैगशिप कार्यक्रम की श्रृंखला 'विक्रमादित्य वाणी' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका प्रसारण रेडियो दस्तक 90.8 एफएम पर किया गया। परिचर्चा के दौरान डॉ. हेगड़े ने बताया कि नियमित हार्टफुलनेस अभ्यास से व्यक्ति की कार्यक्षमता, निर्णय क्षमता और जीवन के प्रति दृष्टिकोण में उल्लेखनीय सुधार आता है।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने इस परिचर्चा को विशेष उपयोगी बताते हुए कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस रिसर्च संस्थान, मैसूर के बीच हुए एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थाएँ मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मिलकर कार्य कर रही हैं। इसीलिए विक्रम विश्वविद्यालय के अद्भुत फ्लैगशिप कार्यक्रम के 'विक्रमादित्य वाणी' की रेडियो श्रृंखला पर प्रसारित यह कड़ी इस उद्देश्य के लिए समर्पित रही कि हार्टफुलनेस से विद्यार्थियों और समाज में मानसिक शांति, सकारात्मक दृष्टिकोण और संतुलित जीवन शैली कायम हो।

कुलगुरु ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय और एफ एम रेडियो की यह संयुक्त पहल शिक्षा और सामाजिक चेतना को एक साथ जोड़ने का एक प्रेरक प्रयास है। अद्भुत फ्लैगशिप कार्यक्रम के 'विक्रमादित्य वाणी' के अंतर्गत अब तक कई परिचर्चाएं रेडियो पर प्रसारित हो चुकी हैं और यह पहल निरंतर जारी रहेगी।

वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. स्मिता भवालकर ने कार्यक्रम की भूमिका बांधते हुए हार्टफुलनेस के वैज्ञानिक और व्यवहारिक पहलुओं का सहजता से परिचय कराया, जिससे चर्चा एक स्पष्ट दिशा में आगे बढ़ी। सूत्रधार की भूमिका विश्वविद्यालय के विद्यार्थी नवीन मिश्रा ने निभाई।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने 21 सूत्रीय ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा

ज्जैन ! मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के निर्देश पर पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम 21 सूत्रीय ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया । इसी तारतम्य में उज्जैन जिला इकाई श्रमजीवी पत्रकार संघ ने भी एक मई अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मुख्यमंत्री के नाम 21 सूत्रीय ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। शासन और संगठन समन्वय समिति के सह संयोजक वरिष्ठ पत्रकार साथी राजेंद्र पुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र राठौर, प्रदेश सचिव नरेंद्रसिंग राजावत, संभागीय महासचिव राजेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष राजेश जोशी की अगवाई में पत्रकारों की रैली प्रेस क्लब देवास रोड से निकल कर सम्राट विक्रमादित्य प्रशसनिक संकुल भवन, कोठी पैलेस पहुंची ।श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला महासचिव अश्विन चोपड़ा ने बताया कि श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एकत्रित होकर पत्रकारों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तिया लेकर पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करने, आयुष्मान भारत योजना का लाभ सभी पत्रकारों को मिले इसकी मांग की। पत्रकारों ने जिला मुख्यालयों पर पत्रकार भवन हेतु निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराने, पत्रकारों के लिये सम्मान निधि हेतु अधिमान्यता की अनिवार्यता समाप्त करने एवं उनकी मृत्यु उपरांत सम्मान निधि की राशि पत्रकार की पत्नी को देने सहित कुल 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

ग्रीष्मकालीन पुष्य नक्षत्र पर बच्चों को स्वर्ण प्राशन, बड़ों को पिलाया जाएगा स्वर्ण कल्प

उज्जैन। 3 मई शनिवार पुष्य नक्षत्र पर जीरो से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन के साथ ही बड़े युवा और बुजुर्गों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वर्ण कल्प पिलाया जाएगा। स्वर्ण प्राशन और स्वर्ण कल्प सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक पुष्य नक्षत्र पर रजिस्ट्रेशन करवाने के उपरांत कराया जाएगा।

डॉ. हर्षवर्धन धाकड़ के अनुसार अमृत आयुर्वैदिक चिकित्सा केंद्र 13 गुरु नानक मार्केट बीजेपी कार्यालय के पास फ्रीगंज उज्जैन पर स्वर्ण कल्प और सुवर्ण प्राशन ड्राप पिलाया जाएगा। ग्रीष्मकालीन ऋतु में लू का प्रकोप अधिक रहता है। तब शरीर की शारीरिक क्षमता अच्छी बनाए रखना और शरीर को डिहाइड्रेशन और कमजोर होने से बचाना सबसे अच्छा तरीका है।

मजदूर का पसीना सूखने से पहले उसकी मजदूरी अदा करो

उज्जैन। 1 मई अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मजदूर भाइयों को बिस्कुट के पैकेट का वितरण किया गया।

अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि इस अवसर पर शिक्षाविद सादिक मंसूरी ने अपने उद्बोधन में कहा ईश्वर दूत हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इरशाद फरमाया मजदूर का पसीना सूखने से पहले उसकी मजदूरी अदा करो। इस अवसर पर एपीजे कलाम के अध्यक्ष समीर खान, समाजसेवी रईस अहमद, इस्माइल खान भुरू भाई, हाजी शेरू भाई, शरीफ खान, बाबर खान, वसीम चौधरी, साकिर शेख, अनुदीप गंगवार, चेतन ठक्कर, निराला खान, सैयद उस्मान, समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने मजदूर भाइयों और बहनों को बिस्किट के पैकेट वितरण वितरण किए। उपरोक्त जानकारी सचिव धर्मेंद्र राठौर एवं संयुक्त सचिव नासिर मंसूरी ने दी।

देश की जनगणना में जातिगत आंकड़ा जोड़े जाने का निर्णय स्वागत योग्य

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सांखला ने केंद्र सरकार के देश में जातिगत आंकड़ों के साथ जनगणना किए जाने के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय भविष्य में देश में संविधान प्रदत निर्णय में मदद करेगा , इस गणना से देश में समानता का माहौल तैयार होगा द्य लोगों को केंद्र एवं राज्य तथा प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के अवसरों को खोजे जाने मैं मदद मिलेगी द्य केन्द्र सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है द्य

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब देश में जातिगत गणना के आंकड़े आ जाएंगे तब अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग सामान्य निर्धन वर्ग को नए सिरे से जनसंख्या के अनुपात में नौकरियां का अवसर प्राप्त होगा द्य यह निर्णय स्वागत योग्य इसलिए भी है कि हमारे देश में धर्म, सबके लिए बराबर है हर व्यक्ति किसी भी समझ में जन्म लेता है और उसको अपने समाज पर गर्व है द्य इस गणना से प्रत्येक जातियां का आंकड़ा सामने होगा उस आधार पर जातियों के पिछले पन को दूर किया जा सकता है द्य सरकार के मंशा के पीछे देश के सभी वर्गों को समान रूप से शिक्षित सामाजिक न्याय के क्षेत्र में आगे लाना है द्य इस निर्णय से खासतौर पर पिछड़ी जातियों के आंकड़ों से उनके परंपरागत कृषि व्यापार निर्माण में भी सरकार के रोजगारी उन्मुख प्रोग्राम में हिस्सेदारी सुनिश्चित होगी द्य सुरेंद्र सांखला ने कहा कि इस गणना से किसी भी वर्ग को नुकसान नहीं होगा बल्कि प्रत्येक जातियों के आंकड़े आने पर वह गर्भ महसूस करेगा द्य सामाजिक नेता अपनी अपनी समझो को शैक्षणिक रूप से सामाजिक रूप से आर्थिक रूप से सरकार की मदद से आगे ले जाने में मदद करेंगे और सरकार जो पीछे गई समाज है उन्हें आगे करेगा इसमें किसी का नुकसान नहीं होगा।

श्री मारुति हनुमान मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

उज्जैन। ग्राम भरीयाखेडीं में स्थित श्री मारुति हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सांसद अनिल फिरोजिया के आग्रह पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने धर्मस्व विभाग से 12 लाख 55 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की।

ग्राम के युवा सरपंच सतीश शर्मा भरीयाखेडीं ने बताया कि हमारे गांव के लिए ये ऐतिहासिक सौगात है। हमने पंचायत चुनाव में गांव के लोगों से वादा किया था कि प्रभु हनुमान मंदिर का धर्मस्व विभाग से निर्माण करवाएंगे। इस कार्य के लिए लगातार 2 वर्षों से हम प्रयासरत थे। इस कार्य में सांसद अनिल फिरोजिया का भरपूर सहयोग हमें प्राप्त हुआ। स रपंच सतीश शर्मा गांव भरीयाखेडीं ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, धर्मस्व विभाग मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि गांव के सभी लोगों में इस कार्य की स्वीकृति से बड़ा उत्साह का माहौल है।

श्री महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी में आज होगा उपनयन संस्कार

उज्जैन। श्री महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी द्वारा श्री आद्यशंकराचार्य जयंती के उपलक्ष्य में सामूहिक उपनयन (यज्ञोपवीत) संस्कार का आयोजन आज 2 मई को किया जाएगा।

कार्यक्रम संयोजक पं. विश्वास करहाड़कर, पं. संजय दिवटे ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 10.38 मिनिट पर यज्ञोपवीत संस्कार क्षीरसागर स्थित श्री महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी तिलक स्मृति मंदिर में किया जाएगा। जिसमें इंदौर, नागदा, उज्जैन, राघोगढ़ सहित प्रदेश के अन्य जिलों से समाजजन शामिल होंगे। अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव सुशील मुले, कोषाध्यक्ष जितेंद्र आप्टे, सदाशिव नायगांवकर, रविंद्र मुले सहित समस्त कार्यकारिणी ने समाजजनों से समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है।

उज्जैन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नरेश कुशवाह ने नेशनल मास्टर्स गेम्स में जीता रजत पदक

उज्जैन। धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में हुए नेशनल मास्टर्स गेम्स 2025 में उज्जैन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नरेश कुशवाह ने 100' 4 रिले रेस में व रिले रेस में रजत पदक प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर मध्य प्रदेश मास्टर्स संगठन के अध्यक्ष अमानत खान, मुमताज भाई, सीएल राठौर, अशोक देवड़ा, केके पवार, राजकुमार वर्मा, सत्यनारायण कच्छावा, किशोर कुमार भाटी आदि ने इस उपलब्धि पर श्री कुशवाह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com